अध्याय
03

तीन महाद्वीपों में फैला साम्राज्य

- **विद्यार्थी रोमन साम्राज्य के इतिहास को जानने में सहायक ऐतिहासिक स्रोत सामग्रियों के बारे में जान सकेंगे।**
- **विद्यार्थी रोमन साम्राज्य के राजनीतिक अस्तित्व को समझ सकेंगे।**
- **विद्यार्थी इस दौर में रोमन साम्राज्य की सामाजिक एवं आर्थिक विशेषताओं को जान सकेंगे।**
- **विद्यार्थी रोमन साम्राज्य के शहरी जीवन की भूमिका को समझ सकेंगे।**

ईसा मसीह के जन्म से लेकर 630 के दशक तक प्राचीन विश्व के इतिहास में रोमन साम्राज्य का वैभव तीन महाद्वीपों के क्षेत्रों में विस्तृत था। रोमन साम्राज्य का कालक्रम प्रथम शताब्दी ईस्वी से 630 के दशक तक था।

1. रोमन साम्राज्य का विस्तार:-

2. यूरोप के अधिकांश भाग

3. पश्चिम एशिया

4. उत्तरी अफ्रीका

ऐतिहासिक श्रोत सामग्री

पाठ्य सामग्री

दस्तावेजी सामग्री

भौतिक सामग्री

1. पाठ्य सामग्री

2. वर्ष वृत्तांत

3. कानून

4. प्रवचन

5. पत्र

6. व्याख्यान

1. दस्तावेजी सामग्री

2. उत्कीर्ण अभिलेख (पत्थर की शिलाओं पर)

3. पांडुलिपियाँ(पैपाईरस पेड़ के पत्तों आदि पर)

1. भौतिक सामग्री

2. इमारत या भवन

3. स्मारक

4. मृदभांड (मिट्टी के बर्तन)

5. सिक्के

© JCERT not to be republished

6. पच्चीकारी की वस्तुएँ

- इतिहास के बेहतर प्रकाशन हेतु तीनों प्रकार के स्रोतों में अंतर्सम्बन्ध स्थापित करना श्रेष्ठ विकल्प है।
- रोमन साम्राज्य के अंतर्गत भूमध्य सागर यूरोप और अफ्रीका का विभाजक था।
- भूमध्य सागर को रोमन साम्राज्य का हृदय कहा जाता था।

1. कालक्रम के आधार पर रोमन साम्राज्य

2. पूर्ववर्ती रोमन साम्राज्य (तीसरी शताब्दी तक)

3. परवर्ती रोमन साम्राज्य (तीसरी शताब्दी के पश्चात)

सांस्कृतिक विविधता:-

- रोमन साम्राज्य में सांस्कृतिक विविधता बड़े पैमाने पर पाई जाती थी।
- रोमन साम्राज्य में विभिन्न धर्मों एवं नस्लों के लोग रहते थे।

1. प्रमुख भाषाएँ

2. पश्चिमी भाग- लातिनी भाषा

3. पूर्वी भाग-यूनानी भाषा

1. रोमन साम्राज्य में राजनीतिक व्यवस्था

2. रोमन साम्राज्य में वंशानुगत शासन की व्यवस्था थी

3. ऑगस्तस प्रथम रोमन सम्राट था। इसने 27 ईसा पूर्व में राज्य की स्थापना की।

4. इसने प्रिंसिपेट की उपाधि धारण की। लातिनी भाषा मे इसका अर्थ प्रमुख नागरिक होता है।

5. सैनेट रोम के धनी परिवारों के प्रतिनिधित्व वाली संस्था थी।

6. रोमन सम्राटों ने अभिजात वर्गों के समर्थन से अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

- **रोम एवं फारस की समकालीन सैनिक संरचना में तुलना:-**

1. रोम की सेना-

2. व्यावसायिक सेना

3. सवैतनिक सेवा

4. 25 वर्ष की अवधि तक की सेवा

5. चौथी शताब्दी तक रोमन सेना की संख्या 6 लाख थी।

1. फारस की सेना

2. बलात भर्ती वाली सेना

3. इसमें कुछ वर्गों या समूहों की अनिवार्य रूप से भर्ती होती थी।

- रोमन साम्राज्य में सैनेट सेना से घृणा करती थी।
- रोमन साम्राज्य के तीन प्रमुख आधार स्तम्भ थे-

1. रोमन साम्राज्य के प्रमुख आधार स्तंभ

2. सम्राट

3. अभिजात वर्ग

4. सेना

1. रोमन साम्राज्य की शासन प्रणाली में बड़े नगरों की भूमिका

2. कर वसूली में प्रमुख भूमिका

© JCERT not to be republished

3. सैनिक दायित्व

4. सम्राटों के समर्थन प्राप्त नए अभिजात वर्ग का उदय। इससे सैनेटरों के प्रभाव में कमी आई।

- रोमन साम्राज्य का विभाजन प्रांतों में होता था।

1. शहरी जीवन की अन्य प्रमुख व्यवस्थाएँ

2. ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में रोमन नगरवासियों में अकाल की स्थिति में भी बेहतर जीवन की संभावनाएं थीं।

3. सार्वजनिक स्नानगृह रोमन शहरी जीवन की प्रमुख विशेषता थी।

4. नगरीय जीवन में मनोरंजन की अधिक सुविधाएं उपलब्ध थीं। जैसे-रोमन छावनी, विंदोनेसिया (रंगशालाएं) आदि।

5. रोमन साम्राज्य के बड़े नगर-कार्थेज,सिकंदरिया तथा एंटियोक शासन प्रणाली के प्रमुख आधार थे।

- रोमन साम्राज्य में पहली और दूसरी शताब्दी का दौर शांति और समृद्धि का काल था।

- ईरान में आक्रामक ससानी वंश के उदय तथा जर्मन मूल की जनजातियों ने रोमन साम्राज्य का क्षेत्र तीसरी शताब्दी के पश्चात् सीमित करना शुरू कर दिया।

1. प्रमुख जर्मन जनजातियाँ

2. एलमन्नाई

3. फ्रैंक

4. गोथ

1. तीसरी शताब्दी से बदलती परिस्थितियाँ

2. ईरानी सम्राट शापुर प्रथम ने 60000 रोमन सेना के सफाया एवं रोमन साम्राज्य की पूर्वी राजधानी एंटीऔक पर कब्जा करने का दावा किया है।

3. **गृहयुद्ध-** अपने देश में ही सत्ता प्राप्ति हेतु सशस्त्र संघर्ष की स्थिति।

- कभी दूसरी शताब्दी में ट्राजान ने फारस की खाड़ी के पास पहुंचकर भारत विजय का स्वप्न देखा था।

- फरगस मिल्लर ने ' **दि रोमन नियर ईस्ट**'पुस्तक की रचना की।

- दूसरी शताब्दी के मध्य तक रोमन साम्राज्य की आबादी 6 करोड़ तक थी।

1. सामाजिक विशेषताएँ

2. रोमन साम्राज्य का विभाजन निम्न स्तरों में था-सैनेटर,अश्वारोही, अभिजात वर्ग, मनोरंजक वर्ग

3. एकल परिवार का प्रचलन था

4. दास भी परिवार में शामिल होते थे

5. महिलाओं को भी संपत्ति में अधिकार प्राप्त था।

6. विवाह परिवार द्वारा नियोजित होते थे। पुरुष-28-32 वर्ष, महिला-16-23 वर्ष।

7. तलाक का प्रचलन था।

8. समाज में पुरुषों का वर्चस्व था।

9. पिताओं का बच्चों पर अधिक पारिवारिक नियंत्रण था।

10. साक्षरता कुछ वर्गों- सैनिकों, धनी व्यक्तियों, प्रशासकों तक सीमित थी

© JCERT not to be republished

11. भाषाई विविधता में मौजूद थीं- आरामाइक, कॉप्टिक, प्युनिक,बरबर, कैल्टिक, लातिनी

12. लातिनी साहित्य की प्रमुख भाषा थी।

13. तीसरी शताब्दी के मध्य तक बाइबिल का अनुवाद कॉप्टिक भाषा मे हुआ।

14. अतः रोमन समाज में विविधता में मौजूद थीं।

1. आर्थिक जीवन की विशेषताएँ

2. रोमन साम्राज्य का आर्थिक ढांचा मजबूत था।

3. प्रमुख व्यापारिक मदें-गेहूं, जैतून का तेल, अंगूरी शराब

4. तरल पदार्थों की धुलाई कंटेनरों से होती थी, जिन्हें एंफोरा कहा जाता था।

5. स्पेन में जैतून के तेल ढोने वाले कंटेनरों को ड्रेसल-20 कहते थे।

6. सबसे बेहतर किस्म की अंगूरी शराब कैंपेनिया (इटली) में मिलती थी।

7. सिसली (इटली) और बईजैकियम(मिश्र) रोम को भारी मात्रा में गेहूं का निर्यात करते थे।

8. चरवाहे तथा अर्ध- यायावर द्वारा ऋतु प्रवास के दौरान प्रयोग की जाने वाली झोपड़ियों को मैपालिया कहा जाता था।

9. स्पेन में पहाड़ों की चोटियों पर बसे गांव को कैस्टेला कहा जाता था।

10. जल शक्ति का व्यापक प्रयोग-मिल चलाने, सोने एवं चांदी के खानों की खुदाई में।

11. उन्नत बैंकिंग व्यवस्था का प्रचलन था।

12. पूर्ववर्ती रोमन साम्राज्य में चांदी आधारित मौद्रिक प्रणाली थी।

13. परवर्ती रोमन साम्राज्य में स्वर्ण आधारित मौद्रिक प्रणाली थी।

14. अतः रोमन साम्राज्य का आर्थिक ढांचा कृषि और व्यापार दोनों पर आधारित था।

1. श्रमिकों की स्थिति

2. दासों का पूंजी निवेश की दृष्टि से उपयोग किया जाता था।

3. अधिकांश श्रमिक दास वर्ग से आते थे।

4. प्रायःउच्च वर्ग दासों के प्रति क्रूरतापूर्ण व्यवहार करता था।

5. साधारण वर्ग का व्यवहार दासों के प्रति अपेक्षाकृत सहानुभूतिपूर्ण था।

6. सम्राट ऐनास्टैसियस ने ऊंची मजदूरी देकर पूर्वी क्षेत्र के श्रमिकों को आकर्षित कर दारा शहर का निर्माण 3 सप्ताह से कम समय में किया था।

1. परवर्ती रोमन साम्राज्य में आए प्रमुख परिवर्तन

2. परवर्ती रोमन साम्राज्य का कालक्रम चौथी शताब्दी ईस्वी से सातवीं शताब्दी ईस्वी तक है। सम्राट डायोकलीशियन ने साम्राज्य की सीमाओं को सीमित किया।

3. इसने सैनिक कार्यों को असैनिक कार्यों से अलग किया।इसने प्रांतों का गठन किया।

4. कांसटेनटाइन ने सौलिडसस नामक 4.5 ग्राम शुद्ध सोने के सिक्के चलाए।

5. कांसटेनटाइन ने दूसरी राजधानी कुस्तुनतुनिया का निर्माण किया।

© JCERT not to be republished

6. कांसटेनटाइन ने ईसाई धर्म को राजधर्म बनाया।

7. अरब साम्राज्य के विस्तार ने रोमन साम्राज्य का अंत कर दिया।

8. अतः तीन महाद्वीपों में फैला रोमन साम्राज्य अंततः अपनी कमजोरियों और अरब साम्राज्य के उत्थान की वजह से पतनशील हुआ।

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. निम्न में से कौन सा साम्राज्य है, जो प्रथम शताब्दी ईस्वी से सातवीं शताब्दी ईस्वी के मध्य तीन महाद्वीपों में फैला हुआ था-

   (क) मिस्र का साम्राज्य

   (ख) गुप्त साम्राज्य

   (ग) रोमन साम्राज्य

   (घ) ईरानी साम्राज्य

2. किस समुद्र को रोमन साम्राज्य का हृदय कहा जाता था?

   (क) लाल सागर

   (ख) भूमध्य सागर

   (ग) अटलांटिक महासागर

   (घ) प्रशांत महासागर

3. प्रथम रोमन सम्राट कौन था?

   (क) कोन्स्तेन्तिने

   (ख) आगस्तस प्रथम

   (ग) जुलिअस सीजर

   (घ) इनमें से कोई नहीं

4. प्रिंसेप्स का क्या अर्थ होता है?

   (क) सम्राट

   (ख) सैनिक

   (ग) प्रमुख नागरिक

   (घ) धनी व्यापारी

5. दिनारियस क्या थे?

   (क) स्वर्ण सिक्के

   (ख) तांबे के सिक्के

   (ग) चांदी के सिक्के

   (घ) शीशा के सिक्क

लघु उत्तरीय प्रश्न:-

1. रोमन साम्राज्य के विस्तार को संक्षेप में दर्शाइए।

2. रोमन साम्राज्य के प्रमुख आधार क्या थे?

3. रोमन साम्राज्य के बड़े नगरों के नाम लिखें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:-

1. रोमन साम्राज्य की जानकारी हेतु प्रमुख ऐतिहासिक स्रोतों का विश्लेषण करें।

2. रोमन साम्राज्य की सामाजिक विशेषताओं का उल्लेख करें।

© JCERT not to be republished